केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो० 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो० 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 268 गुरूवार 23 अप्रैल 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कुआनों नदी से हटाया जर्जर पुल का मलबा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और नगरपालिका के संयुक्त कुआनो संरक्षण अभियान को बड़ी सफलता मिली है। अमहट क्षेत्र में वर्षों से जर्जर पड़े पुल का मलबा हटा दिया गया है, जिससे कूआनो नदी का बाधित प्रवाह अब सुचारु हो गया है।

इस अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं ने कुआनो नदी से जलकुंभी, प्लास्टिक, पॉलिथीन और अन्य कचरा हटाने के लिए लगातार श्रमदान किया। कई स्थानों पर अवरुद्ध जलधारा को बहाल किया गया और नदी तटों की सफाई कर क्षेत्र को स्वच्छ बनाया गया। इस कार्य में स्थानीय नागरिकों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

एबीवीपी ने अमहट स्थित जर्जर पुल को हटाने के लिए जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा था और समयबद्ध कार्रवाई की मांग की थी। परिषद के प्रयासों और जनसमर्थन के दबाव के बाद प्रशासन ने पहले पुल को ध्वस्त किया और अब उसका मलबा हटाकर नदी के प्राकृतिक प्रवाह को पूरी तरह बहाल कर दिया है।

परिषद के पदाधिकारियों ने इस उपलब्धि को जनसहयोग, युवा शक्ति और प्रशासनिक समन्वय का परिणाम बताया। उन्होंने इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताते हुए आमजन से नदी को स्वच्छ रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की।

सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत: पत्नी घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती–बांसी मार्ग पर बुधवार दोपहर एक सड़क हादसे में स्कूटी सवार एक बुजुर्ग की मृत्यु हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। यह दुर्घटना रुधौली थाना क्षेत्र के विशुनपुरवा पेट्रोल पंप के पास हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।जानकारी के मुताबिक, विशुनपुरवा निवासी 70 वर्षीय मौलाना अली हुसैन अपनी पत्नी के साथ स्कूटी से कहीं जा रहे थे। पेट्रोल पंप से कुछ आगे बढ़ते ही पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मौलाना अली हुसैन की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि उनकी पत्नी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं।

मंद बुद्धि युवक लापता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के कमरिया, कुसौरा बाजार निवासी रामलखन का मंदबुद्धि बेटा लगभग 26 वर्षीय अमन कुमार 14 अप्रैल शाम 4 बजे बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जयंती के मेले से कहीं चला गया है।

पिता रामलखन ने थाने पर तहरीर देने के साथ ही आग्रह किया है कि यदि किसी को उसके बारे में पता चले तो मोबाइल नम्बर 9838970635 पर सूचना देकर सहयोग करें। वह काले रंग का शर्ट और नीले कलर का जींस पहने हुए था।

भारत आ रहे जहाज को ईरान ने जब्त किया, होर्मुज में तनाव बढ़ा

तेहरान (आभा)। ईरान ने होर्मुज के रास्ते भारत आ रहे जहाज को जब्त कर लिया है। ईरानी सेना ने कुल दो जहाजों पर कार्रवाई की है। इन्हें वापस ईरान ले जाया गया है। ईरान इससे पहले भी भारतीय जहाजों पर हमला कर चुका है। होर्मुज के रास्ते भारत आ रहे जहाज को ईरान ने जब्त कर लिया है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कुल दो जहाजों को जब्त किया है। ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया, होर्मुज को पार करने की कोशिश कर रहे दो जहाजों को कथित तौर पर ईरान के आईआरजीसी ने जब्त कर लिया है और उन्हें ईरान ले जाया गया है। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, गार्ड्स ने एक बयान में कहा, 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नौसेना ने होर्मुज स्ट्रेट में दो नियम तोड़ने वाले जहाजों की पहचान की और उन्हें रोक लिया। ईरान के इस ऐक्शन से होर्मुज और मिडिल ईस्ट में एक बार फिर से तनाव बढ़ गया है।

बुधवार को ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने जिन दो जहाजों पर हमला करके उन्हें जब्त किया, उनमें से एक जहाज गुजरात आ रहा एक मालवाहक जहाज था। ईरान ने दोनों जहाजों पर नेविगेशन सिस्टम में हेरफेर करने और होर्मुज में सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप लगाया। इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान

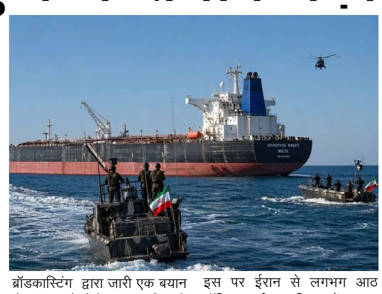

ब्रॉडकास्टिंग द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, ये दोनों जहाज– जिनकी पहचान MSC&FRANCESCA vkSj EPAMINODEके रूप में हुई है, इस रणनीतिक जलमार्ग से गुजरते समय कथित तौर पर नियमों के उल्लंघन में शामिल थे।

इससे पहले, बुधवार को होर्मुज में कुल तीन कंटेनर जहाजों पर ईरान द्वारा हमले की बात सामने आई थी। न्ज्ञ मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर (न्ज्ञडज्व्) ने बताया कि ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (प्त्ळब्) की एक गनबोट ने ओमान से लगभग 15 नॉटिकल मील उत्तर–पूर्व में एक कंटेनर जहाज पर गोलीबारी की। यूनानी कंपनी के स्वामित्व वाले इस जहाज एपामिनोंडास के ब्रिज को काफी नुकसान पहुंचा। हालांकि, क्रू सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हवाई हमले शुरू होने के बाद से, मिडिल ईस्ट में जहाजों पर 30 से ज्यादा हमले हो चुके हैं।

ईरान ने दूसरा हमला पनामा का झंडा लगा यूफोरिया जहाज पर किया। यह UAE की एक कंपनी का जहाज था। बताया गया है कि इस पर ईरान से लगभग आठ नॉटिकल मील पश्चिम में हमला किया गया। UKMTO ने बताया कि जहाज का क्रू सुरक्षित रहा और जहाज को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। वहीं, तीसरा हमला पनामा का झंडा लगे MSC Francesca पर हुआ। यह ईरान के तट से लगभग छह नॉटिकल मील दूर था, जब इसे निशाना बनाया गया। यह जहाज हमले के समय होर्मुज से दक्षिण की ओर ओमान की खाड़ी में जा रहा था। समुद्री खुफिया फर्म टंदहनंतक के अनुसार, जहाज ने बाहरी ढांचे और रहने की जगहों में नुकसान होने की सूचना दी है। होर्मुज में ईरानी गनबोट्स ने भारत का झंडा लगे दो जहाजों पर गोलीबारी की थी। सूत्रों के अनुसार, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ और जहाजों को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा। हालांकि, ओमान के उत्तर–पूर्व में, तेल व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण शिपिंग लेन में हुई इस घटना के बाद, दोनों जहाजों को वापस लौटना पड़ा। इस घटना के बाद नई दिल्ली ने ईरानी राजदूत को तलब किया और गोलीबारी की इस घटना पर भारत की गहरी चिंता से अवगत कराया।

शादी से 6 दिन पहले युवक की मौत:पेड़ से लटका मिला शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शादी से 6 दिन पहले ही दूल्हे की मौत हो गई। उसका शव घर से आधा किलोमीटर दूर खेत किनारे पेड़ से लटका मिला। युवक के दोनों घुटने जमीन को छू रहे थे। पुलिस मौके पर पहुंची तो युवक के पैरों के पास खून के छींटे बरामद हुए। चेक करने पर प्राइवेट पार्ट पर गंभीर चोटों के निशान मिले। पुलिस ने पाया कि जिस फंदे से युवक का शव लटक रहा था, वह किसी महिला का दुपट्घ्टा था।

फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर सबूत इकट्ठा किए हैं। परिजनों ने हत्या कर शव को पेड़ से लटकाने का आरोप लगाया है। परिजनों ने बताया– युवक देर शाम घूमने जाने की बात कहकर घर से निकला था। तभी से लापता था। घटना जिला मुख्यालय से 55 किलोमीटर दूर परशुरामपुर थाना क्षेत्र के केशवपुर गांव की है।

परशुरामपुर थाना क्षेत्र के केशवपुर गांव निवासी स्व. बजरंग सिंह के बेटे महेश सिंह (24) की शादी नवाबगंज के सीरसासलन्तीपुरवा गांव निवासी परसराम सिंह की बेटी रोहिणी सिंह से तय हुई थी। 28 अप्रैल को बारात जाने वाली थी। शादी को लेकर घर में तैयारियां चल रही थीं। घर में टेंट बंध चुका था।

चचेरे भाई राजकुमार ने बताया– महेश कल रात 8 बजे बाजार घूमने जाने की बात कहकर घर से निकला था। काफी देर तक वापस नहीं लौटा तो हमने उसके मोबाइल पर कॉल किया, पर नंबर लगातार स्विच ऑफ बताता रहा। हम लोगों ने रात भर खोजबीन की, पर कुछ पता नहीं चला। बुधवार सुबह करीब 7 बजे गांव के कुछ लोग खेत की ओर शौच के लिए गए हुए थे, तभी उन्होंने शहतूत के पेड़ से महेश का शव लटकते देखा। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पेड़ से

महेश सिंह, मृतक

नीचे उतरवाया।

राजकुमार का कहना है– मेरे भाई की हत्या की गई है, इसके बाद पुलिस को गुमराह करने के लिए शव को यहां लाकर पेड़ से लटका दिया गया है। मारने से पहले उसे बुरी तरह पीटा गया है। पैरों के नीचे खून के छींटे मिले हैं। पुलिस ने हमारे कहने पर चेक किया तो प्राइवेट पार्ट पर भी चोटों के गंभीर निशान मिले हैं।

शरीर के कई अन्य हिस्सों पर भी चोटों का निशान है। इसके अलावा जिस फंदे से वह लटक रहा था, वो किसी महिला का दुपट्घ्टा था। महेश का मोबाइल फोन भी गायब है। हमारी मांग है कि हत्यारे को जल्द से जल्द पकड़ा जाए और कड़ी कार्रवाई की जाए।

महेश तीन भाइयों में सबसे बड़े थे और मजदूरी के साथ ट्रक ड्राइवर का काम करते थे। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन घटना से परिवार में मातम छा गया। चचेरे भाई राजकुमार ने कहा– महेश की हत्या कर पेड़ को फंदे से लटकाया गया है।

परशुरामपुर थाना प्रभारी विश्वमोहन राय ने बताया– युवक का पेड़ से लटकता हुआ शव मिला है। शरीर पर चोट के निशान हैं। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। प्रथम दृष्टया सुसाइड की आशंका है। फिलहाल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पुष्टि हो सकेगी कि हत्या है या आत्महत्या। मामले की जांच जारी है।

नर्सरी में मिला नवजात का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । दुबौलिया थाना क्षेत्र में सिरसिया स्कूल के पास स्थित एक नर्सरी में मंगलवार भोर में एक नवजात शिशु का शव मिला। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई और स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह टहलने निकले कुछ लोगों ने नर्सरी के अंदर संदिग्ध अवस्था में पड़े शिशु को देखा। पास जाकर पुष्टि हुई कि शिशु मृत है, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नवजात का शव भोर के समय ही यहां लाकर फेंका गया प्रतीत होता है। घटना को लेकर क्षेत्र में विभिन्न तरह की चर्चाएं हो रही हैं। सूचना

मिलते ही दुबौलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई।

पुलिस ने संभावित साक्ष्यों को संकलित किया है और मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। नवजात के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, ताकि मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सके।

नहीं मिल रहा है घरेलू गैस, लोग परेशान डीजल, पेट्रोल के लिये लम्बी कतारें

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद में अमेरिका, इरान, इजराइल युद्ध का असर अब साफ–साफ दिखने लगा है। सरकार और अधिकारियों के दावों के बावजूद घरेलू गैस के लिये लोग हफ्तों चक्कर लगाने को मजबूर है। वहीं अनेक पेट्रोल पम्प ड्राई होने के कारण जैसे ही किसी पम्प पर डीजल, पेट्रोल पहुंचता है लम्बी कतारे लग जाती हैं।

जनपद में रसोई गैस की किल्लत लगातार बनी हुई है। बुकिंग के 10–12 दिन बाद भी उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। रत्नाकर गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा, जब तेज धूप में घंटों लाइन में खड़े रहने के बावजूद उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा।

सुबह से ही एजेंसी परिसर के

बाहर महिला–पुरुषों की लंबी कतारें लग गईं। चिलचिलाती धूप में लोग अपनी बारी का इंतजार करते रहे, लेकिन धीमी वितरण व्यवस्था ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी। कई महिलाएं छोटे बच्चों के साथ लाइन में खड़ी थीं, जिनकी हालत गर्मी के कारण बिगड़ती दिखी।

उपभोक्ताओं ने बताया कि गैस बुकिंग के बाद 10 से 12 दिन बीत जाने पर भी सिलेंडर की डिलीवरी नहीं हो रही है। इस मजबूरी में उन्हें एजेंसी पर आकर लाइन लगानी पड़ रही है। लोगों ने आरोप लगाया कि एजेंसी पर पीने के पानी और छाया की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

एक उपभोक्ता ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा, 'हम सुबह से लाइन में खड़े हैं, लेकिन अभी तक नंबर नहीं आया है। घर में गैस खत्म हो चुकी है, जिससे खाना बनाने में मुश्किल हो रही है।' अन्य उपभोक्ताओं ने भी वितरण व्यवस्था में सुधार की मांग करते हुए प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और ,खराब है।

पीएम मोदी के राष्ट्र के नाम सम्बोधन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद टीएन प्रतापन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 18 अप्रैल को दूरदर्शन पर राष्ट्र के नाम संबोधन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। याचिका में इस संबोधन को आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन बताते हुए कार्रवाई की मांग की गई है।

कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद टीएन प्रतापन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 18 अप्रैल को दूरदर्शन पर राष्ट्र के नाम संबोधन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। याचिका में इस संबोधन को आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन बताते

हुए कार्रवाई की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि प्रधानमंत्री ने 18 अप्रैल की रात करीब 8रू30 बजे दूरदर्शन और संसद टीवी पर राष्ट्र के नाम संबोधन दिया। यह संबोधन नारी शक्ति वंदन विधेयक (महिला आरक्षण संशोधन विधेयक) से जुड़े राजनीतिक घटनाक्रमों के ठीक बाद आया था। भाषण के दौरान प्रधानमंत्री ने नाम लेकर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (ज्डब), द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (क्डज्ञ) और समाजवादी पार्टी समेत कई विपक्षी दलों की आलोचना की तथा उन्हें महिला आरक्षण के विरोधी बताते हुए मतदाताओं से जवाबदेही ठहराने की अपील की।

याचिकाकर्ता टीएन प्रतापन का आरोप है कि सक्रिय चुनाव अवधि के दौरान सरकारी नियंत्रण वाले दूरदर्शन और संसद टीवी का इस्तेमाल विपक्षी दलों की आलोचना के लिए किया गया, जो आदर्श आचार संहिता का साफ उल्लंघन है।

आवास योजना–ग्रामीण का दायरा बढ़ा

लखनऊ (आभा)। प्रदेश की योगी सरकार ने मुख्यमंत्री आवास योजना–ग्रामीण का दायरा बढ़ाते हुए भोटिया, जौनसारी और गोंड समेत सभी शेष अनुसूचित जनजातियों को पक्के घर देने का फैसला किया है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इसका ऐलान किया है। वहीं दूसरी ओर सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश बीज निगम विभाग कर्मचारियों को सातवें वेतनमान का तोहफा देने का फैसला किया है। निगम की इस सुदृढ़ वित्तीय स्थिति और कर्मियों के समर्पण को देखते हुए ही सातवें

वेतनमान की फाइल को स्वीकृति प्रदान की गई है।

सीएम योगी ने यूपी बीज निगम कार्मिकों को बड़ा तोहफा दिया है। यूपी सरकार ने इन कर्मचारियों को सातवें वेतनमान दिए जाने का निर्णय लिया है। एक निगम होने के कारण अभी तक इन कर्मियों को सरकारी विभागों की तरह वेतन का यह लाभ प्राप्त नहीं हो सका था। मुख्यमंत्री के इस फैसले से निगम के कर्मचारियों में खुशी का माहौल है।

बतादें कि लंबे समय बाद अब बीज निगम के कर्मियों को दूसरे कर्मचारियों की तरह सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों का लाभ मिलेगा। उत्तर प्रदेश राज्य बीज विकास निगम की वित्तीय स्थिति में पिछले कुछ वर्षों में सुधार हुआ है। निगम वित्तीय वर्ष 2017–18 के बाद से, विशेषकर वित्तीय वर्ष 2019–20 से निरंतर लाभ अर्जित कर रहा है।

जनगणना में शिक्षकों की डियूटी को लेकर सौंपा 5 सूत्रीय ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल के नेतृत्व में पदाधिकारियों और शिक्षकों के एक प्रतिनिधि मण्डल ने जनगणना में आ रही व्यवहारिक कठिनाईयों के समाधान की मांग को लेकर जिलाधिकारी को सम्बोधित 5 सूत्रीय ज्ञापन उप जिलाधिकारी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया है कि जनगणना 2027 में शिक्षकों की ड्यिूटी लगायी गयी है जिसमें अनेक कठिनाइयां उत्पन्न हो गयी है, अनेकों प्रधानाध्यापक , इंचार्ज प्रधानाध्यापक एवं ए०आर०पी० की ड्यिूटी लगायी गयी है, जिससे शासन द्वारा संचालित विभिन्न सरकारी योजनायें प्रभावित हो रही हैं, उन्हें ड्यिूटी से मुक्त रखा जाय। पति, पत्नी के रूप में कार्यरत दोनों की शिक्षकों की डियूटी लग गयी है, जिससे बच्चों की देखभाल संभव नहीं है, ऐसे में किसी एक को डियूटी से मुक्त रखा जाय, जनगणना 2027 के प्रशिक्षण में एचएलओ एप

लोड कराया जा रहा है, पुरानी मोबाइल होने के कारण एप लोड नहीं हो पा रहा है। कहा जा रहा है कि नया मोबाइल खरीदकर एप लोड कीजिए, अनेक गर्भवती एवं प्रसूति अवकाश वाली शिक्षिकाओं की ड्यिूटी लगी है. उनको मुक्त रखा जाय, जनगणना कार्य के प्रतिकर अवकाश स्वीकृति किया जाय जिससे जनगणना 2027 में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो सकें।

ज्ञापन देने के बाद संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि बीएसए ने अतिशीघ्र प्रभावी कदम उठाये जाने का आश्वासन दिया है।

यह जानकारी देते हुये संघ के जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि प्रतिनिधिमण्डल में मुख्य रूप से जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनन्द दूबे, अभिषेक उपाध्याय, शैल शुक्ल, रीता शुक्ला, पटेश्वरी प्रसाद निषाद, रजनीश मिश्र, ओम प्रकाश पाण्डेय, अमित पाण्डेय, नीरज पाण्डेय, मंजेश राजभर, शिवाकान्त पाण्डेय, रवि प्रताप सिंह, दिग्विजयनाथ यादव, मारूफ खान आदि शामिल रहे।

ब्राम्हणों का अकारण उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं: मेधा ने भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को मेधा के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीन दयाल तिवारी के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि अयोध्या जनपद के बीकापुर कोतवाली थाना क्षेत्र के बेनीपुर खिदिरपुर गांव में शेषमणि तिवारी, करुणा शंकर तिवारी, विजय शंकर तिवारी, मुन्ना तिवारी, रोहित तिवारी उर्फ अनूप तिवारी, परमानंद तिवारी उर्फ प्रशांत तिवारी, दयानंद तिवारी, हरिशंकर, विनीत तिवारी को हिंसा, आगजनी के कथित मामले में एससीएसटी की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किये जाने के बाद ब्राम्हणों का अकारण उत्पीड़न बंद किया जाय।

ज्ञापन देने के बाद मेधा के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीन दयाल तिवारी ने मांग किया कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर निर्दोषों का उत्पीड़न बंद किया जाय और किसी घटना को जाति, धर्म के नाम पर निर्धारण न किया जाय।

उन्होने बताया कि अयोध्या जनपद के कोतवाली क्षेत्र के बेनीपुर खिदिरपुर में 14 अप्रैल की आधीरात अंबेडकर जयंती के दिन हुई आगजनी में दलित बस्ती के तीन परिवारों के आवासीय छप्पर और घर का सामान जल गया था, जिसके बाद दो वर्गों में तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी। पुलिस ने गांव के 11 लोगों के विरुद्ध आगजनी और दलित एक्ट की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। अग्नि पीड़ित मनीराम ने दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया है कि आंबेडकर जयंती समारोह के बाद रात करीब एक बजे उनके छप्पर में आग लग गई।

प्रशासन ने बिना तथ्यों की जांच किये खिदिरपुर गांव में शेषमणि तिवारी सहित 10 लोगों के विरूद्ध एससीएसटी सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया। श्री तिवारी ने मांग किया कि समूचे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर निर्दोषों को न्याय दिलाया जाय। केवल ब्राम्हण के नाम पर उत्पीडन बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। शीघ्र न्याय न मिला तो मेधा आन्दोलन को बाध्य होगी।

ज्ञापन देने वालों में उमेश पाण्डेय 'मुन्ना', रामरीका पाण्डेय, प्रतीक मिश्र, गिरीश चन्द्र गिरी, विपुल सिंह, दीपक सिंह आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 23 अपैल 2026 गुरूवार

सम्पादकीय

आर्थिक मंदी का खतरा

अब ऐसे आंकड़े सामने आने लगे हैं, जिनसे पता चलने लगा है कि पश्चिम एशिया में आए संकट की वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था में मंदी छाने लगी है। इनमें से सबसे ताजा आंकड़ा आठ प्रमुख उद्योगों का सूचकांक है। जंग शुरू होने के बाद के पहले महीने, मार्च के आंकड़ों से पता चलता है कि इन आठ प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में पिछले साल के मार्च के स्तर की तुलना में 0.4 फीसदी की गिरावट आई है। यह पिछले 19 महीनों का सबसे खराब प्रदर्शन है, लेकिन इसकी आशंका थी। इस संघर्ष के चलते आपूर्ति में बाधा, ईंधन की कमी और सामान्य रूप से सुस्त आर्थिक माहौल का अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ना तय था। खासकर, भारत की आयात पर निर्भरता के मद्देनजर। मार्च महीने के निजी क्षेत्र के मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई ने भी काफी मंदी का खुलासा किया। नए ऑर्डरों में कमी को इसका कारण बताया गया। फिर भी, प्रमुख क्षेत्र के आंकड़े चिंताजनक स्थिति पैदा करते हैं। इन आठ क्षेत्रों में से चार में सिकुड़न आई, एक में कोई बदलाव नहीं आया और दो क्षेत्रों में तीव्र मंदी देखी गई। गौरतलब है कि सबसे खराब प्रदर्शन उर्वरक क्षेत्र का रहा। प्राकृतिक गैस के आयात पर लगी पाबंदियों के मद्देनजर यह भी अपेक्षित था। जहां एक तरफ घरेलू प्राकृतिक गैस क्षेत्र में अपेक्षाकृत 6.4 फीसदी की मजबूत वृद्धि हुई, वहीं उर्वरक क्षेत्र में मार्च 2026 में 24.6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इसके गंभीर नतीजे होंगे। कृषि क्षेत्र के लिए यह साल पहले ही बहुत मुश्किल रहने वाला है, क्योंकि भारत मौसम विज्ञान विभाग ने इस साल अल नीनो के प्रभाव से सामान्य से कम मानसून की भविष्यवाणी की है। खराब पैदावार का सीधा असर ग्रामीण मांग पर पड़ेगा, जो पहले से ही काफी खस्ताहाल है। इस्पात और सीमेंट उत्पादन में आई तेज गिरावट से भी यह पता चलता है कि निर्माण गतिविधियों पर भी असर पड़ा है क्योंकि कंपनियों ने नए निवेश रोक दिए हैं। इन सभी कारणों के साथ—साथ कोयला, कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और बिजली के क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन ने समग्र सूचकांक को 2025—26 में कोविड—19 महामारी की वजह से अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रभाव के बाद से सबसे कम सालाना वृद्धि स्तर पर पहुंचा दिया।

आजादी के बाद से भारत को प्रमुख रूप से दो बार आर्थिक मंदी से झटका लगा है. यह साल थे साल 1991 और 2008. साल 1991 में आई आर्थिक मंदी के पीछे आंतरिक कारण थे. लेकिन 2008 में वैश्विक मंदी के चलते भारत की अर्थव्यवस्था पर आंच आई थी. 1991 में भारत के आर्थिक संकट में फंसने की सबसे बड़ी वजह भुगतान संकट था. इस दौरान आयात में भारी कमी आई थी, जिससे देश दोतरफा घाटे में था।

हालिया मंदी के पीछे के ज्यादातर कारक बाहरी हैं। हालांकि अगर ये रुझान जारी रहे, तो वे भारत की आर्थिक अनुकूल परिस्थितियों को गंभीर प्रतिकूल परिस्थितियों में बदल देंगे। नरेन्द्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में कम मुद्रास्फीति और उच्च विदेशी निवेश देखने को मिला था। घरेलू राजनीतिक माहौल इस कदर अनुकूल था कि मतदाताओं ने नोटबंदी जैसी विनाशकारी नीतिगत गलतियों को भी माफ कर दिया। महामारी और चीन से बाकी दुनिया की दूरी ने भी दूसरे कार्यकाल में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के मामले में भारत को लाभ पहुंचाया। तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में, ईरान युद्ध से पहले, तेल की कम कीमतों ने मुद्रास्फीति को कम बनाए रखने में मदद की। फिर भी, ऐसे संकेत उभरने लगे थे कि डोनाल्ड ट्रम्प के साथ भारत के व्यापारिक तनाव से भयभीत विदेशी निवेशक भारत में निवेश करने से कतरा रहे हैं। अब ईरान युद्ध ने यह साफ कर दिया है कि भारत वैश्विक परिस्थितियों का दास है। मुद्रास्फीति एक बार फिर सिर उठा रही है। इसके साथ ही, परिवारों की वास्तविक आय में आए निरंतर ठहराव का मतलब है कि सरकार को भारत की 'उज्ज्वल छवि' को बहाल करने के लिए बहुत ही ज्यादा मेहनत करनी होगी।

किसानों के सामने मानसून का जोखिम

—जयन्तीलाल भण्डारी—

भारतीय मौसम विभाग ने अल नीनो के कारण 2026 में सामान्य से कम मॉनसून का अनुमान लगाया है। यह पूर्वानुमान पिछले 26 वर्षों में मानसून का सबसे कम शुरुआती अनुमान है। इससे देश में कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है।

हाल ही में विश्व बैंक ने कहा है कि वर्ष 2026 में कमजोर मानसून से भारत में कृषि की पैदावार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ने और विकास दर में कमी की चुनौती होगी। भारतीय मौसम विभाग ने अल नीनो के कारण 2026 में सामान्य से कम मॉनसून का अनुमान लगाया है। यह पूर्वानुमान पिछले 26 वर्षों में मानसून का सबसे कम शुरुआती अनुमान है। इससे देश में कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है। मौसम विभाग ने बारिश के दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के 92 प्रतिशत रहने की संभावना बताई है। यह पूर्वानुमान 5 फीसदी अधिक या कम की मॉडल त्रुटि के साथ जारी किया गया है। स्काईमेट की रिपोर्ट के अनुसार देश में 75 प्रतिशत वर्षा पर आधारित मॉनसून सीजन में 5 प्रतिशत कम—ज्यादा के साथ 94 प्रतिशत वर्षा हो सकती है।

पिछले आंकड़े बताते हैं कि सामान्य से कम मॉनसून वाले वर्षों में जब बारिश का समय, वितरण और फैलाव लगभग समान रहा तब खरीफ के उत्पादन में अधिक कमी नहीं हुई किन्तु गैर—सिंचित क्षेत्रों में उगाई जाने वाली दलहन—तिलहन फसलों के लिए जोखिम हो सकती है। पश्चिम एशिया संघर्ष से महंगे उर्वरक, महंगे तेल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से खेती की लागत बढ़ी है, तब कमजोर मानसून से न केवल कृषि, वरन अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर हो सकता है। पेयजल समस्या बढ़ सकती है।

नीति आयोग के मुताबिक देश के कुल फसल रकबे का केवल 55 फीसदी सिंचित है और 45 प्रतिशत खेती मॉनसून पर निर्भर है। सीडब्ल्यूएमआई के अनुसार, लगभग 74 प्रतिशत गेहूं और 65 प्रतिशत चावल की खेती वाले क्षेत्र पहले से ही भारी जल—संकट का सामना कर रहे हैं। व्यावसायिक फसलों और औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ते रुझान से भारत में मॉनसून की वर्षा पर निर्भरता बढ़ी है। अब अल—नीनो के खतरे और कमजोर मॉनसून की आशंका से जलाशय के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है। केंद्रीय जल आयोग देश में कुल 183.565 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) क्षमता वाले 166 प्रमुख जलाशयों के भंडारण पर नजर रखता है। इस समय इन जलाशयों में कुल क्षमता का 44.71 प्रतिशत है। हाल में इसमें तेजी से कमी आई है।

वर्ष 2024—25 में भारत में 35.70 करोड़ टन खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। इस वर्ष 2025—26 में इससे भी अधिक खाद्यान्न उत्पादन की संभावना है। 2026 में गेहूं की खेती का रकबा भी पिछले वर्ष के 328.04 लाख हेक्टेयर की तुलना में बढ़कर लगभग 334.17 लाख हेक्टेयर हो गया है। ये एक और अच्छी फसल की संभावना का संकेत देता है। एफसीआई के पास केंद्रीय पूल में एक अप्रैल 2026 को लगभग गेहूं और चावल का 600 लाख टन से अधिक का उपलब्ध स्टॉक खाद्य सुरक्षा के मामले में भारत की मजबूती है। इस समय देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। यह भी उल्लेखनीय है कि हाल ही में प्रकाशित निर्यात आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025—26 में भारत ने 55 अरब डॉलर मूल्य का कृषि निर्यात किया है और भारत दुनिया का 7वां सबसे बड़ा कृषि निर्यातक है। कृषि निर्यात के लिए देश के कृषि निर्यात परिदृश्य पर यह उभरकर दिखाई दे रहा है कि वर्ष 2014 से 2025 के बीच प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात चार गुना, फलों और दालों का निर्यात तीन गुना, खाद्यान्न का निर्यात दो गुना और चावल के निर्यात में करीब 62 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

भारत सरकार ने घरेलू बाजारों को स्थिर करने और उत्पादकों को लाभकारी प्रतिफल सुनिश्चित करने के लिए एक निर्णायक और किसान—केंद्रित कदम उठाते हुए 50 लाख मीट्रिक टन गेहूं और अतिरिक्त 10 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादों के निर्यात को मंजूरी दे दी है। लेकिन कमजोर मानसून के चलते आगामी निर्यात आदेशों की पूर्ति के लिए सजगता रखी जाए। देश ने देखा है कि वर्ष 2021—22 में 70 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात किया था, लेकिन वर्ष 2024 में गेहूं का आयात करना पड़ा। निस्संदेह, कम बारिश से जलाशयों में पानी का स्तर गिरने से सिंचाई और पीने के पानी की उपलब्धता प्रभावित होगी, ऐसे में अभी से जल संरक्षण के प्रयास शुरू होने चाहिए। इस समय जो खुदरा महंगाई दर 3.40 प्रतिशत है, उसके बढ़ने की आशंका होगी। अतएव मूल्यों की रोकथाम की रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा।

भारत को फसल विविधीकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढ़ना होगा। सिंचाई व्यवस्था की नई नीति तैयार करना लाभप्रद होगी। अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में वर्ष 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को तेजी से आगे बढ़ाया जाना होगा।

लेखक अर्थशास्त्री हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ताः सुविधा या संकट

—ललित गर्ग —

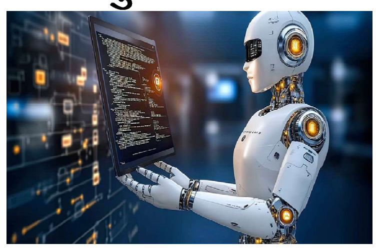

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय—समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएं सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन—ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ—साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ग्रामीण भारत के सरकारी स्कूलों की दशा- दिशा

- भारत भूषण अड़जरिया -

भारत के ग्रामीण समुदायों में अपार संभावनाएं हैं, जहां सीखने के लिए उत्सुक युवा और ज्ञान को महत्व देने वाली समृद्ध सांस्कृतिक परंपराएं मौजूद हैं। हालांकि, शिक्षा में व्याप्त असमानता लाखों बच्चों के लिए अवसरों को सीमित करने का खतरा पैदा करती है। इन सभी संभावनाओं के बीच एक कड़वी सच्चाई भी हैरू शिक्षा में लंबे समय से चली आ रही खाई। ग्रामीण छात्रों को अब भी पुरानी पाठ्यपुस्तकों, खराब बुनियादी ढांचे और योग्य शिक्षकों की कमी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आप ग्रामीण भारत में शिक्षा संबंधी असमानताओं को कम करने के लिए कदम उठाकर बदलाव ला सकते हैं।

सामाजिक और व्यवस्थागत कारकों के मिश्रण के कारण ग्रामीण भारत की शिक्षा प्रणाली में गिरावट आ रही है। कई स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, जैसे कि स्वच्छ शौचालय और पर्याप्त रोशनी। कक्षाएँ भी नीरस हैं। योग्य शिक्षकों की कमी इस समस्या को और बढ़ा देती है। रिक्त पदों का भरा न जाना और उच्च अनुपस्थिति दर आम बात है।

ग्रामीण क्षेत्रों में परिवारों को अक्सर कठिन आर्थिक निर्णय लेने पड़ते हैं, जिसके चलते उनके बच्चों को काम और पढ़ाई में से किसी एक को चुनना पड़ता है। छात्रों को भाषा संबंधी समस्याएं भी होती हैं क्योंकि पाठ्यपुस्तकें या तो हिंदी में होती हैं या अंग्रेजी में, और वे अपनी—अपनी बोलियाँ बोलते हैं। डिजिटल विभाजन के बढ़ने के साथ—साथ छात्र आधुनिक शैक्षिक साधनों और अवसरों से और भी अधिक अलग—थलग पड़ते जा रहे हैं। आपको दीवारों में दरारें या छतों से पानी टपकने की समस्या हो सकती है, या फिर कक्षा में पंखे या रोशनी की भी कमी हो सकती है। उचित बुनियादी ढांचे के अभाव में, शिक्षा काफी चुनौतीपूर्ण हो जाती है, जिससे सीखने के परिणाम और नियमित उपस्थिति दोनों प्रभावित होते हैं। इससे न केवल सीखने में बाधा आती है, बल्कि लड़कियां नियमित रूप से स्कूल जाने से भी हतोत्साहित होती हैं।

संसाधनों की यह कमी केवल बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि उपकरणों के स्तर पर भी काफी चिंताजनक है। बजट का अभाव ग्रामीण विद्यालयों के लिए सबसे बड़ी बाधा है। शिक्षा का अधिकांश बजट शिक्षकों के वेतन और मिड—डे मील जैसी अनिवार्य योजनाओं में ही समाप्त हो जाता है, जिससे खेलों के लिए नगण्य राशि बचती है। भारत की अधिकांश जनसंख्या गाँवों में बसती है, जहाँ की मिट्टी ने मिल्खा सिंह, पी.टी. उषा और नीरज चोपड़ा जैसे महान खिलाड़ी दिए हैं। इसके बावजूद, ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में खेलों की स्थिति अत्यंत दयनीय बनी हुई है। विभिन्न शिक्षा रिपोर्टों और सरकारी आंकड़ों (जैसे UDISE) के अनुसार, आज भी लगभग 30 प्रतिशत से अधिक सरकारी स्कूलों के पास अपना स्वयं का खेल का मैदान नहीं है। जहाँ मैदान उपलब्ध भी हैं, वहाँ उनका रखरखाव इतना खराब है कि वे खेल गतिविधियों के लिए सुरक्षित नहीं माने जा सकते। बाउंड्री वॉल का न होना, मैदान में झाड़ियाँ उगना या स्थानीय लोगों द्वारा अतिक्रमण करना एक आम समस्या बन गई है, जिसके कारण बच्चों को सड़कों या संकरी गलियों में खेलने को मजबूर होना पड़ता है।

संसाधनों की यह कमी केवल बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि उपकरणों के स्तर पर भी काफी चिंताजनक है। बजट का अभाव ग्रामीण विद्यालयों के लिए सबसे बड़ी बाधा है। शिक्षा का अधिकांश बजट शिक्षकों के वेतन और मिड—डे मील जैसी अनिवार्य योजनाओं में ही समाप्त हो जाता है, जिससे खेलों के लिए नगण्य राशि बचती है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, एक बड़े प्रतिशत स्कूलों में खेल के नाम पर केवल एक फटी हुई फुटबॉल या कुछ पुराने क्रिकेट बैट ही होते हैं। बास्केटबॉल, वॉलीबॉल या एथलेटिक्स जैसे खेलों के लिए आवश्यक नेट, पोल और ट्रैक तो ग्रामीण भारत के अधिकांश विद्यालयों के लिए आज भी एक विलासिता जैसे हैं। इसके अतिरिक्त, शारीरिक शिक्षकों के रिक्त पद एक और गंभीर संकट हैं। देश के लगभग 50 प्रतिशत ग्रामीण माध्यमिक स्कूलों में प्रशिक्षित खेल प्रशिक्षक नहीं हैं, जिसके कारण बच्चों को खेलों की बारीकियों और नियमों की जानकारी नहीं मिल पाती। बिना सही मार्गदर्शन के, प्रतिभाशाली बच्चे भी जिला या राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं तक पहुँचने से पहले ही दम तोड़ देते हैं।

सामाजिक और व्यवस्थागत कारकों के मिश्रण के कारण ग्रामीण भारत की शिक्षा प्रणाली में गिरावट आ रही है। कई स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, जैसे कि स्वच्छ शौचालय और पर्याप्त रोशनी। कक्षाएँ भी नीरस हैं। योग्य शिक्षकों की कमी इस समस्या को और बढ़ा देती है। रिक्त पदों का भरा न जाना और उच्च अनुपस्थिति दर आम बात है।

सामाजिक और नीतिगत स्तर पर भी ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को वह सहयोग नहीं मिल पाता जिसकी वे हकदार हैं। ग्रामीण परिवेश में आज भी 'पढ़ोगे—लिखोगे तो बनोगे नवाब' वाली कहावत हावी है, जहाँ खेलों को पढ़ाई में बाधा माना जाता है। केंद्र सरकार की खेलो इंडिया जैसी योजनाएं निस्संदेह सराहनीय हैं, लेकिन इनका वास्तविक लाभ अभी भी शहरी और अर्ध—शहरी क्षेत्रों तक ही सिमटा हुआ है। ग्रामीण ब्लॉकों में इन योजनाओं का क्रियान्वयन बेहद सुस्त है। संसाधनों के इस अभाव का सीधा परिणाम ग्रामीण युवाओं के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। खेलों की अनुपलब्धता के कारण ग्रामीण बच्चे शारीरिक गतिविधियों से दूर होकर मोबाइल गेमिंग और डिजिटल व्यसनों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यदि भारत को वास्तव में एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनना है, तो हमें अपनी नीतियों के केंद्र में ग्रामीण विद्यालयों को रखना होगा। जब तक गाँव के हर स्कूल में एक समतल मैदान, आवश्यक खेल उपकरण और एक समर्पित कोच की व्यवस्था नहीं होगी, तब तक शफिट इंडियाश और ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का सपना अधूरा ही रहेगा। इसके लिए पंचायत स्तर पर बजटीय आवंटन बढ़ाना और निजी क्षेत्रों को खेल बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए प्रोत्साहित करना अनिवार्य है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कार्यालय ग्राम डड़वा भैया वि.खं. रुधौली, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **डड़वा भैया** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **डड़वा भैया** के निविदा बाक्स में दिनांक 29–04–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 23–04–2026 से दिनांक 28–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **डड़वा भैया** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **डड़वा भैया** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **डड़वा भैया** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(दुर्गावती)	**(रंजना चौधरी)**
प्रधान	सचिव
ग्राम पंचायत–**डड़वा भैया**	ग्राम पंचायत–**डड़वा भैया**

कार्यालय ग्राम बेलवरिया जंगल वि.खं. गौर, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **बेलवरिया जंगल** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **बेलवरिया जंगल** के निविदा बाक्स में दिनांक 29–04–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 23–04–2026 से दिनांक 28–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **बेलवरिया जंगल** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **बेलवरिया जंगल** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **बेलवरिया जंगल** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(रंजना यादव)	**(सूरज कुमार पाण्डेय)**
प्रधान	सचिव
ग्राम पंचायत–**बेलवरिया जंगल**	ग्राम पंचायत–**बेलवरिया जंगल**

कार्यालय ग्राम गनवरिया कला वि.खं. रुधौली, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **गनवरिया कला** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **गनवरिया कला** के निविदा बाक्स में दिनांक 01–05–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 23–04–2026 से दिनांक 30–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **गनवरिया कला** द्वारा नामित कर्मचारियों तथाआपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **गनवरिया कला** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **गनवरिया कला** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(प्रमिला सिंह)	**(रंजना चौधरी)**
प्रधान	सचिव
ग्राम पंचायत–**गनवरिया कला**	ग्राम पंचायत–**गनवरिया कला**

कार्यालय ग्राम चन्द्रभानपुर वि.खं. रुधौली, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **चन्द्रभानपुर** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **चन्द्रभानपुर** के निविदा बाक्स में दिनांक 30–04–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 23–04–2026 से दिनांक 29–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **चन्द्रभानपुर** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **चन्द्रभानपुर** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **चन्द्रभानपुर** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(नसीबुन्निशा)	**(रंजना चौधरी)**
प्रधान	सचिव
ग्राम पंचायत–चन्द्रभानपुर	ग्राम पंचायत–चन्द्रभानपुर

डंठल की आग बनी काल, झोपड़ी में जिंदा जली दिव्यांग महिला

संवाददाता–देवरिया। बरहज थाना क्षेत्र के ग्राम कोटवा देवार में बुधवार दोपहर दिल दहलाने वाला हादसा हुआ। खेत में गेहूं के डंठल में लगाई गई आग से रिहायशी झोपड़ी और उसमें रह रही महिला जिंदा जल गई। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। ग्राम पैना निवासी श्रीकिशुन ने गांव से पश्चिम कोटवा देवार में फसलों की रखवाली के लिए घोठा बनाया है। वहां झोपड़ी बनाई है और पशुओं को भी रखा है। दोपहर में दियारा क्षेत्र में खेतों के डंठल में किसी ने आग लगा दी। तेज पछुआ हवा के साथ आग ने भयावह रूप अख्तियार कर लिया।

आग झोपड़ी के निकट पहुंच गई। उस समय श्रीकिशुन की दिव्यांग पत्नी बचिया देवी (40) अकेली थी। झोपड़ी से उठती ऊंची लपटे देख गांव के कुछ लोग बचाव में दौड़े, तब तक झोपड़ी और उसमें रखा सामान जलकर राख हो गया था। दिव्यांग महिला भी पूरी तरह जल चुकी थी। आनन–फानन में उसे अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन देर हो चुकी थी। उसे मृत घोषत कर दिया गया। उपजिलाधिकारी हरिशंकर लाल, तहसीलदार अरुण कुमार, थानाध्यक्ष विशाल उपाध्याय अस्पताल पहुंचकर जानकारी ली।

पृथ्वी हमारी जीवनदायिनी माता रक्षा, विकास का लिया शपथ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बलरामपुर। सक्षम कल्चर सेवा समिति बस्ती द्वारा बलरामपुर जनपद के एम.डी.के. बालिका इण्टर कॉलेज भगवतीगंज में विश्व पृथ्वी दिवस 2026 के अवसर पर पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से एक भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का थीम 'हमारी ऊर्जा हमारा ग्रह' रहा । कार्यक्रम में लगभग एक हजार छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों और गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर संस्था के प्रबंधक सक्षम श्रीवास्तव ने कहा कि पृथ्वी केवल रहने का स्थान नहीं, बल्कि हमारी जीवनदायिनी माता है, जिसकी रक्षा करना हम सभी का प्रथम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि यदि आज हम जल, जंगल और जमीन को नहीं बचाएंगे तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे पौधरोपण, जल संरक्षण, स्वच्छता और सौर ऊर्जा अपनाने का संकल्प लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्य ने कहा कि छात्राएं यदि पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें तो समाज में बड़ा परिवर्तन संभव है। मुख्य अतिथि डॉ. राजेश तिवारी ने कहा कि प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। वरिष्ठ शिक्षक अरविन्द मिश्रा ने कहा कि प्लास्टिक मुक्त समाज ही स्वस्थ समाज की पहचान है। शिक्षिका पूजा वर्मा ने छात्राओं को ऊर्जा बचत के महत्व से अवगत कराया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों और गणमान्य लोगों में रामकुमार यादव, अमित पाण्डेय, सुनील वर्मा, अजय श्रीवास्तव, विनोद गुप्ता, संदीप मिश्रा, रवि त्रिपाठी, दीपक सिंह, संतोष शुक्ला, अभिषेक तिवारी, राकेश पांडेय, नीरज गुप्ता, शिवम वर्मा, आकाश श्रीवास्तव, गौरव मिश्र, शैलेश सिंह, अंशुमान पांडेय, मनीष यादव, प्रियांशु गुप्ता तथा अनुराग मिश्रा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी छात्राओं, शिक्षकों एवं उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से हाथ उठाकर पृथ्वी दिवस पर शपथ लिया । इसके बाद छात्राओं द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई तथा पोस्टर, निबंध और स्लोगन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेता छात्राओं को पुरस्कार औरं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

यूपी होमगार्ड परीक्षा के लिए सख्त सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश, सभी केंद्रों का निरीक्षण अनिवार्य

संवाददाता–महराजगंज। 25, 26 व 27 अप्रैल को प्रस्तावित होमगार्ड एनरोलमेंट परीक्षादृ2025 को सकुशल, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन कराने के लिए जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार का कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, पुलिस केंद्र प्रभारी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। डीएम ने कि सभी अधिकारी पुलिस भर्ती बोर्ड के दिशा–निर्देशों का भली–भांति अध्ययन कर लें और परीक्षा की पारदर्शिता व शुचिता सुनिश्चित करें।

जनपद के सभी 11 परीक्षा केंद्रों का परीक्षा से पूर्व अनिवार्य निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की गहन जांच करने को कहा गया। किसी भी केंद्र पर कमी मिलने पर तत्काल दूर कराने के निर्देश दिए गए। लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारी तय कर कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। सभी केंद्रों पर साफ–सफाई, शुद्ध पेयजल, मेडिकल टीम की मौजूदगी और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए प्रवेश द्वार के पास क्लाक रूम तथा कक्षों में दीवार घड़ी की व्यवस्था अनिवार्य की गई।

साथ ही केंद्रों के आसपास की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखने और किसी प्रकार की अवैध वसूली पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी ने नकलविहीन परीक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सोशल मीडिया पर सतत निगरानी रखने, अफवाहों पर रोक लगाने और परीक्षा केंद्रों के आसपास सुदृढ़ सुरक्षा व सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता प्रभावित करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होगी। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ ने परीक्षा प्रक्रिया की जानकारी दी, जबकि जिला प्रबंधक डॉ. दिवाकर सिंह ने बताया कि 11 केंद्रों पर तीन दिनों में छह पालियों में कुल 25,920 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। प्रत्येक पाली में 4,320 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

पहली पाली सुबह 10 से 12 बजे और दूसरी पाली दोपहर 3 से 5 बजे तक होगी। प्रवेश परीक्षा से दो घंटे पहले शुरू होकर आधा घंटा पूर्व बंद कर दिया जाएगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी डॉ. प्रशांत कुमार, डीआईओएस प्रदीप कुमार शर्मा, बीएसए ऋद्धि पांडेय, जिला युवा कल्याण अधिकारी वैभव सिंह, डीपीआरओ श्रेया मिश्रा, नायब तहसीलदार देश दीपक त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

रोक के बाद भी बहृर्डर पर केले की तस्करी का नेटवर्क सक्रिय

संवाददाता–महराजगंज। भारत–नेपाल सीमा पर केले की तस्करी ने एक बार फिर संगठित रूप ले लिया है। नौतनवा और सोनौली से सटे सीमावर्ती क्षेत्रों में इन दिनों बड़े पैमाने पर तस्करी की गतिविधियां तेज हो गई हैं। खासकर नौतनवा क्षेत्र के सुंडी, बैरियहवा, संपतिहा, चंडीथान तथा सोनौली के भगवानपुर और परसामलिक क्षेत्र के शिवतरी व बरगदवा गांव तस्करी के प्रमुख कॉरिडोर बनते जा रहे हैं। नेपाल सरकार द्वारा करीब सात माह पहले केले के आयात पर रोक लगाए जाने के बाद से इस धंधे में तेजी आई है। भारत में जहां केला लगभग 400 रुपये प्रति कैरेट बिक रहा है, वहीं नेपाल में इसकी कीमत 900 से 1000 रुपये प्रति कैरेट तक पहुंच गई है। इसी भारी मुनाफे के चलते तस्करों का नेटवर्क सक्रिय हो गया है और वे लगातार नए–नए रास्ते तलाश रहे हैं।बताया जा रहा है कि तस्कर रात के अंधेरे में छोटे वाहनों, साइकिलों और पैदल ढुलाई के जरिए सीमावर्ती पगडंडियों से माल पार करा रहे हैं। कई जगहों पर खेतों और नदी किनारे के रास्तों का भी उपयोग किया जा रहा है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की नजर से बचा जा सके। स्थानीय स्तर पर कुछ लोगों की मिलीभगत की भी चर्चा है, जिससे यह धंधा और संगठित होता जा रहा है। इस तस्करी से न केवल राजस्व का नुकसान हो रहा है, बल्कि सीमा की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

खेत में अधजली महिला का शव मिला

संवाददाता–महराजगंज। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के सेमरा चन्द्रौली गांव में बुधवार सुबह एक अज्ञात महिला का अधजला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव गांव के सिवान में बड़ी नहर के पश्चिम स्थित बंसवार निवासी राजाराम सिंह के खेत में पड़ा मिला। सुबह खेत की ओर गए ग्रामीणों ने शव देखकर इसकी सूचना ग्राम प्रधान के माध्यम से पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू की। कुछ ही देर में क्षेत्राधिकारी अंकुर गौतम और एडिशनल एसपी सिद्धार्थ ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस के अनुसार महिला की उम्र करीब 35 वर्ष प्रतीत हो रही है। उसका चेहरा, हाथ व शरीर बुरी तरह जला हुआ है, जिससे पहचान करना मुश्किल हो रहा है। हालांकि, पैर में बिछिया व पायल मिलने से महिला के विवाहित होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और महिला की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने विधिक कार्यवाही शुरु कर दी है।

प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या कहीं और करके शव को यहां लाकर जलाया गया है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। एसओ अभिषेक सिंह ने बताया कि आसपास के चौराहों, किराएदारों व ईंट–भट्ठों पर काम करने वाले लोगों की भी जांच कराई जा रही है।

भारतीय सीमा में घुसकर आरोपी को घसीटकर ले गई नेपाली पुलिस, वीडियो वायरल

संवाददाता–महराजगंज। इंडो–नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा के सोनौली–बेलहिया मुख्य बॉर्डर पर नेपाली पुलिस के जवान भारतीय सीमा में प्रवेश कर एक आरोपी युवक को सरेआम सड़क पर घसीटते हुए नेपाल की ओर ले गए। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि, भारतीय बस्ती समाचार पत्र वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी युवक नेपाल पुलिस की हिरासत से बचकर भारतीय सीमा में भाग आया था। इसी दौरान दो नेपाली पुलिसकर्मी उसका पीछा करते हुए भारतीय सीमा में घुस गए और उसे पकड़कर सड़क पर घसीटते हुए वापस नेपाल ले जाने लगे। बताया जा रहा है कि घटना के दौरान कुछ ही दूरी पर भारतीय पुलिस भी मौके

पर पहुंच गई और आरोपी युवक को खड़ा कराया। इसके बावजूद नेपाली प्रहरी युवक को अपने साथ ले जाने में सफल रहे। इस पूरे घटनाक्रम ने अधिकार क्षेत्र को लेकर भी कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।वीडियो सामने आने के बाद लोगों में नेपाली पुलिस के इस रवैये को लेकर नाराजगी देखी जा रही है और इसे मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन बताया जा रहा है। लोगों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के नियमों के तहत किसी भी देश की पुलिस को दूसरे देश की सीमा में इस तरह प्रवेश कर कार्रवाई करने का अधिकार नहीं होता। जब तक कि दोनों देशों के बीच समन्वय और कानूनी प्रक्रिया का पालन न किया जाए। सोनौली कोतवाल महेन्द्र मिश्रा का कहना है कि मामला जानकारी में आया है। नेपाल के बेलहिया थाने का कोई आरोपी भाग कर सोनौली मे घुस आया था, जिसके पीछे नेपाल पुलिस भी आ गई थी। मामले की जांच की जा रही है।

पृथ्वी दिवस पर विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता–बहराइच। उच्च प्राथमिक विद्यालय परसिया आलम में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में पोस्टर प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता, शपथ ग्रहण कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटक शामिल थे। इस दौरान पक्षियों के संरक्षण के लिए पेड़ों पर मटकों में पानी भरकर रखा गया, जो बच्चों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है। प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, पृथ्वी के महत्व और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी राम किशुन निषाद आयु लगभग 55 वर्ष पुत्र राम निहोर निषाद निवासी ग्राम थरियाकला थाना हैदरगंज तहसील बीकापुर जिला अयोध्या का निवासी है। मेरा पुत्र अभिषेक निषाद झगडालू प्रवृत्ति का है और उसका चाल चलन अच्छा नहीं है । वह मेरे कहने सुनने में नहीं है । इसे देखते हुये मैनें उसे अपने समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अपने किसी भी कृत्य, लेन–देन, वाद– विवाद आदि के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

विदाई के बाद लौट रही कार ट्रक से टकराई, दूल्हे के जीजा की मौत, दूल्हा–दुल्हन समेत 3 घायल

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के महुली थाना क्षेत्र में बुधवार को एक सड़क हादसे में दूल्हे के जीजा की मौत हो गई। दुल्हन की विदाई के बाद घर लौट रही कार और ट्रक की आमने–सामने की टक्कर में दूल्हा–दुल्हन सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। कार में कुल चार लोग सवार थे।

जानकारी के अनुसार, धनघटा थाना क्षेत्र के हैंसर निवासी अजय सोनी पुत्र रामकरन वर्मा की शादी दुधारा थाना क्षेत्र के दानोंकुइया निवासी ध्रुवचंद्र सोनी की बेटी बबीता सोनी के साथ हुई थी। 21 अप्रैल को बारात बस्ती जनपद स्थित एक मैरिज हॉल में गई थी, जहां विवाह की रस्में पूरी हुईं। दुल्हन की विदाई के बाद दूल्हा अजय वर्मा अपने परिजनों के साथ कार से घर लौट रहा था। कार को दूल्हे के जीजा संतोष सोनी पुत्र शंभु सोनी निवासी पैकवलिया, थाना गौर, जनपद बस्ती चला रहे थे। संतकबीरनगर के धनघटा मार्ग पर महुली थाना क्षेत्र के भगता गांव के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से कार की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और चालक संतोष सोनी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में कार सवार दूल्हा अजय वर्मा (26), दुल्हन बबीता सोनी (22) और नैना सोनी (20) गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को तत्काल जिला संयुक्त चिकित्सालय भिजवाया, जहां उनका इलाज जारी है। मृतक संतोष सोनी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष दुर्गेश पांडेय ने बताया कि घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज चल रहा है, इस हादसे की जांच की जा रही है।

नागालैंड के राज्यपाल नंदकिशोर यादव ने किए रामलला के दर्शन

संवाददाता–अयोध्या। नागालैंड के राज्यपाल नंदकिशोर यादव बुधवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि में दर्शन–पूजन किया। रामलला के दर्शन के बाद उन्होंने मंदिर को आस्था, गौरव और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बताया। मीडिया से बातचीत में राज्यपाल ने कहा कि भगवान राम हमारे पाहुन हैं, इसलिए मैं अपने पाहुन के घर आया हूं। अयोध्या आना अपने प्रभु के घर आने जैसा दिव्य अनुभव है। भगवान श्रीराम केवल धार्मिक आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि आदर्श पुरुष हैं, जिनके जीवन से समाज को मर्यादा, कर्तव्य और त्याग की प्रेरणा मिलती है। करीब 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद भव्य राम मंदिर का निर्माण होना पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। यह केवल मंदिर नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का सम्मान है। राम स्वरूप में माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान का समावेश भारतीय संस्कृति, परिवार व्यवस्था और समर्पण की भावना को दर्शाता है। नई अयोध्या आध्यात्मिकता, संस्कृति और विकास का अद्भुत संगम बनकर उभर रही है। यहां आकर हर भारतीय गौरव और आत्मीयता का अनुभव करता है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर दिलाया शपथ प्रकृति के संरक्षण के लिये किया जागरूक

–भारतीय बस्ती संवाददाता– सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया गर्ल्स इण्टर कॉलेज में विश्व पृथ्वी दिवस 2026' के अवसर पर बुद्धवार को सुमन ग्रामीण विकास सेवा संस्थान सिद्धार्थनगर द्वारा भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में 'हमारी ऊर्जा हमारा ग्रह' थीम पर एक विशाल जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य श्रीमती नीलम श्रीवास्त ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने विकास और प्रकृति के बीच संतुलन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आज की पीढ़ी को 'पर्यावरण संरक्षक' की भूमिका निभानी होगी ताकि आने वाला कल सुरक्षित रहे, साथ साथ स्कूली बच्चों को प्लास्टिक मुक्त भारत के विषय में जागरूकता प्रदान किया।

संस्थान के प्रबंधक मनोज कुमार श्रीवास्तव और प्रधानाचार्य ने छात्राओं को समाज में सकारात्मक बदलाव की धुरी बताते हुए जल संचयन और ऊर्जा बचत की अपील की। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त छात्राओं, शिक्षकों और विजय प्रसाद शर्मा, प्रेम प्रकाश मिश्र, श्रीमती सुमन मिश्रा, रामजीत चौधरी, श्रीमती रंजना श्रीवास्तव, मुन्नू लाल वर्मा, वाजिद अली, अशोक कुमार अंबेडकर, श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव, फरहीन मलिक, फातिमा, मलिक समद बाबू, नवनीत श्रीवास्तव रामकुमार यादव, अमित पाण्डेय, सुनील वर्मा व अजय श्रीवास्तव सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने सामूहिक रूप से हाथ उठाकर शपथ लिया कि वे विद्युत और सभी प्रकार की ऊर्जा का बिना किसी अपव्यय के जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करेंगे, जल और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करेंगे, तथा स्वच्छ, हरित और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए अपने दैनिक जीवन में सतत प्रथाओं को अपनाकर समाज को भी प्रेरित करेंगे क्योंकि ऊर्जा और पर्यावरण का संरक्षण ही धरती माता और आने वाली पीढ़ियों के हित में अनिवार्य है। इस संकल्प के उपरांत शिक्षक अरविन्द मिश्रा ने प्लास्टिक मुक्ति और शिक्षिका पूजा वर्मा ने हरित ऊर्जा पर व्याख्यान दिया। इसके बाद परिसर में पौधरोपण, स्वच्छता अभियान और पोस्टर–निबंध जैसी विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया साथ ही कार्यक्रम के दौरान सभी छात्राओं, शिक्षकों एवं उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से हाथ उठाकर शपथ ग्रहण किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया और संस्था के प्रबन्धक मनोज कुमार श्रीवास्तव ने उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

लू में पेट्रोल के लिए लाइन में खड़ा युवक बेहोश

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पेट्रोल–डीजल और सीएनजी की आपूर्ति को लेकर हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। बुधवार को इटवा क्षेत्र के टिकुनिया चौराहे स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर एक युवक लंबी लाइन में खड़े–खड़े बेहोश हो गया। वह करीब 40 डिग्री सेल्सियस तापमान और तेज लू के बीच 2 से 3 घंटे से अपनी बारी का इंतजार कर रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक की तबीयत अचानक बिगड़ी और वह मोटरसाइकिल पर ही गिर पड़ा, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उसे संभाला, पानी पिलाया और छाया में ले जाकर उसकी हालत सामान्य करने की कोशिश की। घटना का वीडियो सामने आने के बाद चर्चा तेज हो गई है।

यह घटना में ईंधन संकट की गंभीरता को साफ तौर पर उजागर करती है। सिद्धार्थनगर मुख्यालय, मधुकरपुर, इटवा, बढ़नी, शोहरतगढ़ और डुमरियागंज सहित कई इलाकों में लगभग हर पेट्रोल पंप पर एक जैसी स्थिति देखने को मिल रही है। सुबह होते ही पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं, जहां लोगों को अपनी बारी के लिए 1 से 3 घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। जिले में कुल 123 पेट्रोल पंप संचालित हैं, लेकिन इनमें से केवल लगभग 80 पंपों पर ही पेट्रोल और डीजल उपलब्ध बताया जा रहा है। शेष 43 पंपों पर या तो आपूर्ति नहीं पहुंच पा रही है या फिर सीमित मात्रा में तेल दिया जा रहा है।

जिन पंपों पर ईंधन उपलब्ध है, वहां भीड़ का दबाव इतना अधिक है कि व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। कई स्थानों पर लोग धूप में खड़े–खड़े चक्कर आने, सिरदर्द और कमजोरी की शिकायत कर रहे हैं। मधुकरपुर में हाईवे जाम होने की भी सूचना मिली है। मुख्यालय के मधुकरपुर स्थित बालाजी पेट्रोल पंप पर हालात सबसे ज्यादा खराब नजर आए। यहां वाहनों की कतार इतनी लंबी हो गई कि नेशनल हाईवे तक जाम की स्थिति बन गई। कई किलोमीटर तक वाहन धीरे–धीरे रेंगते रहे और आम राहगीरों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। बारात से जा रही गाड़ियां भी इस जाम में फंस गई, जिससे लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। कई क्षेत्रों में उपभोक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि पेट्रोल पंपों पर सप्लाई होने के बावजूद नियमित रूप से तेल नहीं दिया जा रहा। कुछ समय तक वितरण करने के बाद पंपों को बंद कर दिया जाता है और फिर 1 से 2 घंटे का अंतराल लिया जाता है। इस वजह से लाइन में खड़े वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ जाती है और भीड़ नियंत्रण से बाहर हो जाती है। लोगों का कहना है कि यदि लगातार सप्लाई दी जाए तो स्थिति इतनी खराब न हो। इस पूरे मामले पर क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी विजय कुमार का कहना है कि जिले में किसी प्रकार की पेट्रोल–डीजल की किल्लत नहीं है। उनके अनुसार करीब 80 पेट्रोल पंपों पर दिन में नियमित रूप से सप्लाई की जा रही है और शेष पंपों पर भी शाम तक पेट्रोल–डीजल उपलब्ध करा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आपूर्ति व्यवस्था सामान्य है और किसी तरह की समस्या नहीं है। आम लोगों का कहना है कि अगर जल्द ही आपूर्ति और प्रबंधन में सुधार नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में हालात और बिगड़ सकते हैं। फिलहाल जिलेभर में पेट्रोल–डीजल को लेकर बनी यह स्थिति लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनी हुई है।

चलते ऑटो में अचानक लगी आग, सवारियों ने कूद कर बचाई जान

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा थानाक्षेत्र के नियमियहवा ओवरब्रिज पर बुधवार दोपहर अचानक एक ऑटो में पीछे के हिस्से में इंजन में आग लग गई। संयोग अच्छा था कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। आग लगने पर सभी सवारियों ने कूदकर अपनी जान बचाई। ऑटो गौरीबाजार से तरकुलहा मंदिर जा रहा था। उसमें कुल आठ लोग सवार थे। आग देखकर आसपास के लोगों ने शोर मचाया। चालक ने गाड़ी रोकी और लोग नीचे कूद गए। ग्रामीणों ने मिट्टी और बालू डालकर किसी तरह आग पर काबू पाया।

चार दिन तक घर में फंदे से लटकता रहा प्रधान के भाई का शव

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के एक गांव से हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक ग्राम प्रधान के भाई का शव चार दिन तक घर के अंदर फंदे से लटकता रहा। लोगों को इसकी जानकारी तब मिली जब घर के अंदर से बदबू आने लगी। लोगों ने तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और जांच पड़ताल शुरू कर दी। प्रधान के भाई द्वारा आत्महत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।

यह घटना गीडा थाना क्षेत्र के हरैया की है। जिस शख्स की लाश मिली है उनका नाम रूदल उर्फ रूदीर निषाद था। उनकी उम्र 45 साल थी। रूदल के भाई हरैया के मौजूदा ग्राम पंचायत हैं। ग्राम प्रधान के गांव में दो मकान हैं, नए मकान में प्रधान अपने परिवार के साथ रहते हैं। जबकि रूदल निषाद पुराने मकान में परिवार के साथ रहते थे। रूदल, मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण करते थे।

पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। उनकी पत्नी अपने बच्चों के साथ गांव के नए मकान में रहने के लिए चली गई थीं। मृतक के लड़के पुराने मकान पर जाते थे लेकिन अंदर से दरवाजा बंद होने के कारण वापस लौट जाते थे। सोमवार की देर रात को कुछ लोग मकान के पास से गुजर रहे थे, तो तेज दुर्गंध आ रही थी। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सीओ गीडा योगेंद्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पांडेय और चौकी प्रभारी अंजय सिंह मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने रूदल के परिवारीजनों को बुलाकर दरवाजा तोड़ा। मकान के अंदर जाते ही लोग हैरान रह गए। वहां कमरे में रूदल का शव रस्सी के सहारे लटक रहा था। मृतक रूदल पांच भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। प्रभारी निरीक्षक गीडा अश्वनी पांडेय ने कहा कि दरवाजा तोड़ कर अंदर जाने पर मृतक का शव लटकता मिला। ऐसा लग रहा था कि उन्होंने फांसी लगा कर आत्महत्या की गई है। इस घटना की जांच पड़ताल की जा रही है। परिवार ने अभी कोई तहरीर नहीं दी है। उनकी तहरीर लेकर आगे की विधिक कार्यवाही की जाएगी।

मूट कोर्ट से मिलता अदालती प्रक्रिया का ज्ञान –डॉ. सतीश

संवाददाता–गोरखपुर। हरि सहाय लॉ कॉलेज गोरखपुर में बुधवार को एलएलबी छठे सेमेस्टर के छात्रों की ओर से मूट कोर्ट का आयोजन किया गया। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. सतीश चंद्र उपाध्याय ने कहा कि मूट कोर्ट से विधि के विद्यार्थियों को न्यायालय की प्रक्रिया का ज्ञान होता है। यह विद्यार्थियों में कोर्ट के समक्ष बोलने की हिचकिचाहट को दूर करता है और उन्हें अदालती शिष्टाचार व व्यवहार सिखाता है। सहायक आचार्य डॉ. शैलेंद्र कुमार त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को मूट कोर्ट की महत्ता बताई। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र मन कुमार वरुण, शिखा साहनी, अफरोज आलम, अमन यादव, मोहन, प्रशांत को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कॉमर्शियल सिलेंडर और डीजल को लेकर जिलाधिकारी से मिले उद्यमी

संवाददाता–गोरखपुर। कॉमर्शियल सिलेंडर, छोटू सिलेंडर के साथ डीजल की उपलब्धता की मांग को लेकर चौंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों ने बुधवार को अध्यक्ष आरएन सिंह के नेतृत्व में जिलाधिकारी दीपक मीणा से मुलाकात की। जिलाधिकारी ने डीजल और छोटू सिलेंडर की उपलब्धता का दावा करते हुए जिला पूर्ति अधिकारी को एजेंसी नामित करते हुए पत्र जारी करने का निर्देश दिया। वहीं कॉमर्शियल सिलेंडर को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि उद्योगों को जितना कॉमर्शियल सिलेंडर अनुमन्य है, उतने की उपलब्धता कराई जाएगी। चौंबर के अध्यक्ष आरएन सिंह ने कहा कि पिछले सप्ताह आश्वासन के बाद छोटू सिलेंडर, डीजल और कामर्शियल सिजेंडर की जरूरत को लेकर पत्र प्रशासन को दे दिया गया था।

लेकिन अभी तक डीजल के लिए न तो पंप एलाट हुआ न ही छोटू सिलेंडर की उपलब्धता ही हुई। डीएम के सवाल पर जिला पूर्ति अधिकारी ने भरोसा दिया कि देर शाम तक यूनिट के हिसाब से पत्र जारी कर दिया जाएगा। डीजल और छोटू सिलेंडर को लेकर दिक्कत नहीं है। कुछ उद्यमी कॉमर्शियल सिलेंडर की मांग को लेकर पहुंचे थे। जिन्होंने बताया कि उनकी यूनिट आधी से भी कम क्षमता से संचालित हो रही है। ऐसे में मजदूरों को काम देना मुश्किल हो रहा है। जिस पर जिलाधिकारी ने भरोसा दिया कि उद्योगों को जितना कामर्शियल सिलेंडर अनुमन्य है, उतना मुहैया कराया जाएगा। इस दौरान जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी और उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया कि उद्यमियों की समस्याओं को प्राथमिकता पर दूर करें। इस दौरान आकाश जालान, राजकुमार अग्रवाल समेत अन्य उद्यमी मौजूद रहे।

समेकित कीट प्रबंधन का सात दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

संवाददाता–गोरखपुर। जैविक भवन में 16 अप्रैल से संचालित सात दिवसीय कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन गुरुवार को हो गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के निदेशक आर आर सिंह ने प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किया। इस दौरान प्रभारी अधिकारी एवं सहायक निदेशक राहुल मिश्रा भी मौजूद रहे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि संकाय के चतुर्थ वर्ष के प्रशिक्षुओं को समेकित कीट प्रबंधन (आईपीएम) प्रणाली के विभिन्न घटकों, इसके भविष्य, फसलों की निगरानी तथा जैविक भवन की प्रयोगशाला में तैयार किए जाने वाले जैविक कीटनाशकों और जैव कारकों के बहुगुणन से संबंधित विस्तृत सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रशिक्षुओं को क्षेत्र भ्रमण भी कराया गया, जिसमें उन्हें एनपीएसएस ऐप की उपयोगिता और उसमें डाटा प्रविष्टि की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर केंद्र के तकनीकी अधिकारी अवधेश कुमार, मनोज कुमार शुक्ला, रत्नेश कुमार मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर पुलिस और प्रशासन अलर्ट

संवाददाता–संतकबीर नगर। उत्तर प्रदेश होमगार्ड एनरोलमेंट2025 की लिखित परीक्षा को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। बुधवार को डीएम आलोक कुमार और एसपी संदीप कुमार मीना ने रिजर्व पुलिस लाइन परिसर में ड्यूटी में तैनात अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की ब्रीफिंग की गई।

जिलाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने संयुक्त रूप से अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, विभिन्न थानों के प्रभारी निरीक्षक समेत बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने निर्देश दिया कि परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली जाए और किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित सामग्री अंदर न जाने दी जाए। सभी कर्मियों को समय से पहले अपने–अपने ड्यूटी स्थल पर पहुंचने को कहा गया।

साथ ही परीक्षा केंद्रों के बाहर भीड़ न जुटने देने और यातायात व्यवस्था सुचारू रखने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही नकल कराने वाले गिरोहों व संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ड्यूटी में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेटों के साथ समन्वय बनाए रखने और हर गतिविधि की सूचना कंट्रोल रूम को देने के भी निर्देश दिए गए।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
प्रकीर्ण सिविल अपील सं0–101/2025
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
श्याम नरायन चौधरी आदि
बनाम
श्याम सुन्दर जयसवाल आदि
1. श्याम सुन्दर जयसवाल उम्र लगभग 44 वर्ष 2. महेश जयसवाल उम्र लगभग 47 वर्ष पुत्रगण गया प्रसाद निवासीगण पाण्डेय बाजार तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
–रेस्पान्डेन्टियान/प्रतिवादीगण
तारीख पेशी 19–05–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 19 महीना 05 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सिविल निगरानी सं0–93/2025
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती अनिता
बनाम
रामयस आदि
1. रामयस उम्र लगभग 79 वर्ष पुत्र गोपीनाथ 2. योगेन्द्र उम्र लगभग 59 वर्ष पुत्र रामयस निवासीगण ग्राम महुआरी तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला बस्ती –प्रतिवादी प्रत्यर्थीगण प्रथम वर्ग
3. धर्मदेव पटवा उम्र लगभग 49 वर्ष पुत्र श्री रामजी पटवा निवासी ग्राम बेलभरिया तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला बस्ती –प्रतिवादी प्रत्यर्थी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 15–05–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 15 महीना 05 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
(आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय–श्रीमान श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
इजरा वाद सं0 02/2026
राममूरत
बनाम
भुईधर आदि
1/1 मनोज कुमार आयु लगभग 30 साल 1/2 रामपाल आयु लगभग 22 साल पुत्रगण भुईधर 1/3 शिवपाल आयु लगभग 12 साल नाबालिग पुत्र भुईधर वबलायत श्याम पियारी माता खुद 1/4 श्याम पियारी आयु लगभग 60 साल विधवा भुईधर साकिनान मौजा रोहदा तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 01–05–2026
चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2026 के माह 05 के 01 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0 366/2025
पंकज कुमार श्रीवास्तव–सायलान
1. पंकज कुमार श्रीवास्तव उम्र करीब 48 साल पुत्र रविदेव 2. आकाश श्रीवास्तव उम्र करीब 38 साल पुत्र अशोक कुमार श्रीवास्तव साकिनान मौजा पिकौरा बक्श तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 25–04–2026
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद
हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 25–04–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0 354/2025
इन्द्रराज–सायलान
1. इन्द्रराज आयु 72 वर्ष पुत्र स्व0 गया प्रसाद 2. राजेन्द्र प्रसाद आयु 61 वर्ष पुत्र स्व0 गया प्रसाद 3. ओम प्रकाश आयु 56 वर्ष पुत्र स्व0 गया प्रसाद 4. सत्य प्रकाश आयु 43 वर्ष पुत्र स्व0 गया प्रसाद 5. जवाहर लाल आयु 51 वर्ष पुत्र स्व0 रामराज सभी निवासीगण ग्राम मदनापुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 25–04–2026
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद
हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 25–04–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा हस्ब दफा 10 ऐक्ट 25, 1890 ई0
बअदालत साहब माननीय प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला बस्ती
प्रकीर्ण गार्जियन वाद सं0198/2024
हमीदा
बनाम
राजू
1. राजू पुत्र स्व0 भण्डारी उम्र लगभग 40 वर्ष निवासी ग्राम तेनुआ असनहरा तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती
तारीख पेशी 20–05–2026
इत्तिला दी जाती है कि दरख्वास्त बगरज मुकर्रर वली सायल मजकूर ने गुजरानी है लिहाजा यह इत्तिलानामा बमुराद इजहार उज्रदरान और दरपेशी मुकदमे बअययन तारीख 20 माह 05 सन् 2026 ई0 जारी आपको किया जाता है कि अगर निस्बत दरख्वास्त के उज हो तो अन्दर किसी को मियाद मुकर्रर मजकूर असालतन या वकालतन कब्ल करे बजे सुबह के अदालत साहब प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती में हाजिर होकर अपना उज्र पेश करे दरसूरत इन्कजाय आपका करे। मियाद मुकर्ररह मजकूर फिर उज्र सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त किसी का के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0
द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com